B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-XI

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু *দশ* প্রশ্না: সুরগিরা দেবনাগরীলিপিমাশ্রিত্য সমাধেয়া:। 2×10=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো ঃ

(a) को देव: 'मघवा' इत्युच्यते? प्रासङ्गिको मन्त्रांशो प्रदेय:।
কোন দেবতাকে 'মঘবা' বলা হয়েছে? প্রাসঙ্গিক মন্ত্রাংশটি উল্লেখ করো।

(b) 'स विद्वाँ आ च पिप्रय:' - इत्यत्र 'विद्वाँ आ' इत्यस्य सन्धि: पाणिनिसूत्रानुसारेण साधनीय:।
'স বিদ্বাঁ আ চ পিপ্রয়ঃ' - এই মন্ত্রে 'বিদ্বাঁ আ' এই সন্ধি পাণিনিসূত্রানুসারে করো।

(c) 'यविष्ठ ____ ____ गिरा' - इत्यत्र रिक्तस्थानद्वयं पूरयित्वा मन्त्रस्य उत्सो वक्तव्य:।
'যবিষ্ঠ ____ ____ গিরা' - উদ্ধৃত মন্ত্রাংশে শূন্যস্থানদুটি পূর্ণ করে মন্ত্রটির উৎস নির্ণয় করো।

(d) को देव: अरे: पुष्टानि गृह्णाति? अयं विषय: केन सह तुल्यते?
কোন দেবতা শত্রুর সম্পদ-সমূহ গ্রহণ করেন? এই বিষয়টি কার সাথে তুলনা করা হয়েছে?

(e) को नाम देव: कतमे वत्सरे शम्बरमन्विष्य अलभत? मन्त्रांशश्च उल्लेखनीय:।
কোন্ দেবতা কত বৎসরে শম্বরকে খুঁজে পেয়েছিলেন? (প্রাসঙ্গিক) মন্ত্রাংশটি বলো।

(f) विलापपर: कितव: तस्य भार्याया: कान् गुणान् अनुस्मरति?
বিলাপকালে কিতব তাঁর স্ত্রীর কোন্ কোন্ গুণ অনুসরণ করেন?

(g) 'राजा चिदेभ्यो नम इत् कृणोमि' - कोऽत्र राजा? 'एभ्य:' इति पदेन केषां बोध: परामृश्यते?
'রাজা চিদেভ্যো নম ইৎ কৃণোমি' - এই মন্ত্রাংশে রাজা কে? 'এভ্যঃ' পদের দ্বারা কাদের বোঝান হয়েছে?

(h) ऋग्वेदसंहितायां कस्मिन् मण्डले देवीसूक्तम् आम्नातम्? तस्मिन् सूक्ते कति मन्त्रा आम्नाता:?
ঋগ্বেদসংহিতায় কোন্ মণ্ডলে 'দেবীসূক্ত' আম্নাত? সেই সূক্তে ক'টি মন্ত্র আছে?

(i) का देवता कथं रुद्राय धनु: विस्तृतवती? प्रासङ्गिको मन्त्रांश: प्रदेय:।
কোন্ দেবতা রুদ্রের জন্য কী কারণে ধনুককে বিস্তৃত করেন? প্রাসঙ্গিক মন্ত্রাংশটি বলো।

(j) 'जनास:' इति वैदिकं रूपं व्याकरणोक्तदिशा प्रतिपाद्यताम्।
'জনাসঃ' এই বৈদিক শব্দটি ব্যাকরণের অনুসারে প্রতিপাদন করো।

(k) शस्त्रस्तोत्रयोरेकतरस्य व्याख्या कार्या।
শস্ত্র ও স্তোত্র শব্দদুটির মধ্যে একটির ব্যাখ্যা করো।

(l) माध्यन्दिनंसवम् आग्नेयक्रतुं वेत्यस्य टिप्पणी विधेया।
মাধ্যন্দিনসবন অথবা আগ্নেয়ক্রতু সম্বন্ধে টীকা নির্ণয় করো।

(m) ईशोपनिषद् इति नाम्नि किं बीजम्?
ঈশোপনিষদ্ - এরূপ নামকরণে উৎস কী?

(n) किं नाम तत्त्वं विशेषत: वर्णितम् ईशोपनिषदि?
ঈশোপনিষদে কোন্ তত্ত্ব বিশেষভাবে আম্নাত হয়েছে?

(o) 'अनेजदेकं मनसो जवीय:' - इत्यस्य तात्पर्यं लिखत।
'অনেজদেকং মনসো জবীয়ঃ' - এই মন্ত্রাংশের তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तत्र यत्किञ्चन द्वितयं सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে যে কোনো *দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) 'स वोधि सूरिर्मघवा
वसुपते वसुदावन्।
युयोध्यऽस्मद्द्वेषांसि।।'

— इति मन्त्रस्य कोष्ठके वैदिकशब्दं प्रदाय वङ्गभाषया अनुवाद इष्यते।
— বন্ধনীতে মূল বৈদিক শব্দ দেখিয়ে মন্ত্রটির বাংলায় অনুবাদ করো।

(b) अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां
चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।
तां मा देवा व्यदधु: पुरुत्रा
भूरिस्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम्।।

— इति ऋक् ऋषिच्छन्दोदेवतानिर्देशपूर्वकं सायणभाष्योक्तदिशा सुरगिरा व्याख्येया।
— 'অহং রাষ্ট্রী -' ইত্যাদি ঋক্‌টির ঋষি, ছন্দঃ ও দেবতার নির্দেশ করে সায়ণ-ভাষ্যমতানুযায়ী সংস্কৃতে ব্যাখ্যা করো।

(c) उपरिलिखितयो: (a)-(b)-स्थितयो: मन्त्रयो: कस्यचिदेकस्य मन्त्रस्य सस्वर: पदपाठ: प्रदर्श्यताम्।
উপরে (a) এবং (b) প্রশ্নে লিখিত মন্ত্র দুটির যে কোনো একটিকে স্বরসঞ্চার প্রদর্শনপূর্বক পদপাঠে পুনরায় লেখো।

(d) 'अन्धं तम:' प्रविशन्ति येऽसम्भूतिमुपासते।
ततो भूय इव ते तमो य उ सम्भूत्यां रता:।।

— इति मन्त्र: भाष्योक्तदिशा संस्कृतेन व्याख्येय:।
— 'অন্ধঃ তমঃ -' ইত্যাদি মন্ত্রটি ভাষ্যানুসারী সংস্কৃতে ব্যাখ্যা করো।

(e) अकारान्तशब्दरूपाणां वैदिकप्रयोगविषये निबन्धो विरचनीय:।
বৈদিক অকারান্ত শব্দরূপের প্রয়োগবৈচিত্র্য দেখাও।

(f) केवलं छन्दोमात्रगोचरस्य लकारस्य प्रयोगान् विवृणुत।
কেবল বেদেই ব্যবহার্য লকারের প্রয়োগসমূহ দেখাও।

3. अधस्तनयो: प्रश्नयोरेकतरमाश्रित्य नातिदीर्घो निबन्धो विरचनीय: 10
নীচের প্রশ্নদুটির যে কোনো *একটির* উত্তর দাও ঃ

(a) ईशोपनिषदि आम्नातमात्मस्वरूपं यथायथं पर्यालोच्यताम्।
ঈশোপনিষদ্ অবলম্বনে আত্মার স্বরূপ বিবৃত করো।

(b) ईशोपनिषद: आद्यमन्त्रद्वयस्य दार्शनिकं तात्पर्यं सुष्ठु निरूप्यताम्।
ঈশোপনিষদের প্রথম দুটি মন্ত্রের দার্শনিক তাৎপর্য উত্তমরূপে নিরূপণ করো।

4. अधोलिखितयो: प्रश्नयोरन्यतरस्य आशयं विवृणुत : 10
নীচের যে কোনো *একটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) अग्ने: इन्द्रस्य वा माहात्म्यं भवदधीतवेदभागमाधारीकृत्य मन्त्रोद्धरणपूर्वकं समुपवर्ण्यताम्।
তোমার পাঠ্যাংশের অবলম্বনে যথাযথ মন্ত্র উদ্ধৃতিসহযোগে অগ্নি অথবা ইন্দ্রের মাহাত্ম্য বিবৃত করো।

(b) पदपाठे इतिकरणस्य अवग्रहस्य वा वैशिष्ट्यं सुष्ठु सोदाहरणम् पर्यालोच्यताम्।
পদপাঠে ইতিকরণ অথবা অবগ্রহের বৈশিষ্ট্য উত্তমভাবে সোদাহরণ ব্যাখ্যা করো।